राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट विधानसभा चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवारों के पक्ष में प्रचार के लिए तीन दिन के लिए पंजाब में हैं। लगातार दो दिन वे बटाला, शहीद भगत सिंह नगर, संगरूर सहित कई क्षेत्रों में प्रचार कर चुके हैं। वहीं, तीसरे दिन, बुधवार को भी सचिन पायलट पंजाब में चुनाव प्रचार करेंगे। इसी चुनाव प्रचार कार्यक्रम के दौरान प्रियंका गांधी वाड्रा भी मंगलवार को पंजाब पहुंचीं। इस दौरान चडीगढ़ हवाई अड्डे पर प्रियंका गांधी और सचिन पायलट की मुलाकात भी हुई। इस मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं ने चुनाव प्रचार के अनुभव साझा किए। पंजाब में 20 फरवरी को होने वाले विधानसभा चुनाव के मतदान से पहले कांग्रेस के नेताओं ने यहां पार्टी उम्मीदवारों के पक्ष में प्रचार तेज कर दिया है।

भूपेश बघेल से बात नहीं बनी तो मुद्दा सीधे सोनिया गांधी तक पहुंचाया गहलोत ने

मुख्यमंत्री गहलोत ने तीसरी बार पत्र लिखकर छत्तीसगढ़ से कोयला आपूर्ति के मामले में सोनिया गांधी से हस्तक्षेप करने का आग्रह किया

- केन्द्र सरकार ने राजस्थान के बिजलीघरों को कोयला आपूर्ति के लिए छत्तीसगढ़ से कोयले की आपूर्ति की व्यवस्था कर रखी है।
- लेकिन छत्तीसगढ़ में राज्य स्तर पर मंजूरी मिलने में देरी के कारण अधिकतर कोयला खनन का कार्य अटका पड़ा है। मुख्यमंत्री गहलोत ने कहा है कि, यदि छत्तीसगढ़ से जल्द आपूर्ति नहीं शुरु हुई तो राजस्थान में गम्भीर बिजली संकट पैदा हो सकता है।

नई दिल्ली, 15 फरवरी। कांग्रेस के दो मुख्यमंत्रियों के बीच बात नहीं बने तो फिर मुद्दा सोनिया गांधी तक पहुंच जाता है। यह मामला छत्तीसगढ़ से राजस्थान को कोयला आपूर्ति का है। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य के बिजली संयंत्रों के लिए छत्तीसगढ़ सरकार से कोयला ब्लॉक की मंजूरी में देरी को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को चिट्ठी लिखी है। उन्होंने पत्र में राज्य में बिजली संयंत्रों के लिए छत्तीसगढ़ से कोयला खनन को लेकर तेजी से मंजूरी को उनसे हस्तक्षेप का आग्रह किया है। इस मामले में तीन महीने में सोनिया गांधी को लिखा गया यह तीसरा पत्र है।

केन्द्र सरकार ने राजस्थान के बिजलीघरों को कोयला आपूर्ति के लिए छत्तीसगढ़ से कोयले की आपूर्ति की व्यवस्था कर रखी है। लेकिन राज्य स्तर पर मंजूरी में देरी से अधिकतर कोयला खनन का कार्य अटका पड़ा है। गहलोत ने इससे पहले एक दिसंबर, 2021 को सोनिया गांधी को पत्र लिखा था। उसके बाद उन्होंने 10 फरवरी को पत्र लिखा। पत्र की कॉपी के मुताबिक राजस्थान में बिजली संकट पैदा हो सकता है। इसका कारण 4,340 मेगावॉट क्षमता के बिजली संयंत्र के पास कोयले की कमी हो गई है। संयंत्र को छत्तीसगढ़ में आवंटित कोयला ब्लॉक से ईंधन नहीं मिल रहा। उन्होंने कहा कि यह राजस्थान सरकार के प्रदर्शन पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है और इससे अनिश्चितता की स्थिति पैदा हो सकती है क्योंकि दोनों राज्य कांग्रेस शासित हैं।

मुख्यमंत्री गहलोत ने लिखा है कि, मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि कृपया मामले में हस्तक्षेप करें और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री को सलाह दें कि भविष्य में राज्य में बिजली संकट से बचने के लिये राजस्थान को जल्द-से-जल्द खनन गतिविधियों को शुरू करने को लेकर कोयला ब्लॉक के लिये सभी जरूरी लंबित मंजूरियां सुनिश्चित करें। उल्लेखनीय है कि पिछले साल सितंबर और अक्टूबर में राजस्थान के बिजलीघरों में कोयले की कमी के कारण राज्य में कई-कई घंटे बिजली की कटौती हुई थी। गहलोत ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को इससे पहले पत्र लिखा था, लेकिन मामले का हल नहीं निकलने के बाद उन्होंने सोनिया गांधी को पत्र लिखा है।

केन्द्र सरकार ने राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (आर.वी.यू.एन.एल.) को 2015 में छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में तीन कोयला ब्लॉक आवंटित किये थे। लेकिन उनमें से केवल एक ही में उत्पादन शुरू हो पाया। दो अन्य ब्लॉक प्रक्रिया संबंधी देरी में फंस गये। आर.वी.यू.एन.एल. परसा पूर्व और कांता बसन (पी.ई.के.बी.) ब्लॉक से 1.5 करोड़ टन कोयले का उत्पादन करती है। अन्य परसा तथा केंते विस्तार ब्लॉक के खुलने से उत्पादन दोगुना हो जाएगा। आर.वी.यू.एन.एल. के 4,340 मेगावॉट क्षमता के बिजली संयंत्र परसा पूर्व और कांता बसन ब्लॉक से जुड़े हैं। गहलोत ने लिखा है कि शुरू में, पहले चरण में इस कोयला ब्लॉक के 762 हेक्टेयर वन भूमि से खनन कार्य वर्ष 2013 में शुरू हुआ और वर्तमान में यह उच्च क्षमता पर काम कर रहा है। इस कोयला ब्लॉक से खनन फरवरी, 2022 के बाद समाप्त होने की आशंका है। गहलोत ने कहा कि इसीलिए, इस कोयला ब्लॉक से खनन जारी रखना अत्यावश्यक है और इसके लिए सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ प्रयास किये जा रहे हैं।

'युवा राजनीति...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के संस्थापक भी है, को नटवर सिंह के अपने जोर बाग स्थित निवास पर हाल ही में दिए एक साक्षात्कार में कहा था कि उन्हें भारत की आजादी, महात्मा गांधी और जवाहर लाल नेहरू का इतिहास पढ़ना चाहिए और जानना चाहिए कि गांधी जानते थे कि अहिंसा के माध्यम से अंग्रेजों को कैसे हटाया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि आज के समय में उन्हें युवाओं में कोई आदर्श व्यक्ति नजर नहीं आता है पर उन्होंने लोकसभा सदस्य और नैशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार की पुत्री सुप्रिया सुले (52 वर्ष) का नाम लिया जो युवाओं के लिए आदर्श सिद्ध हो सकती है। उन्होंने कहा कि वे अच्छी राजनीतिज्ञ है और संसद में अच्छा बोलती हैं।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि, ममता बनर्जी में काफी संभावनाएं हैं पर पूरे भारत में उनकी स्वीकृति अभी भी स्थापित नहीं है।

सुप्रिया एवं ममता दोनों ही 50 साल से ऊपर की हैं पर 93 वर्षीय नटवर सिंह के लिए वे युवा हैं।

राजस्थान में भरतपुर के जाट राज परिवार के नटवर सिंह से साक्षात्कार कर्ता की मुलाकात उनकी विवादास्पद आत्मकथा "वन लाइफ इस नॉट इनफ" के सिलसिले में हुई थी। उन्होंने कहा कि वे महात्मा गांधी पर एक छोटी किताब लिख रहे हैं जो उनकी जयंती 2 अक्टूबर को प्रकाशित होगी।

"सैक्युलर"...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वर्षों में कभी भी "धर्मनिरपेक्षता" शब्द का प्रयोग नहीं किया। नटवर सिंह ने कहा कि "यह एक धर्मनिरपेक्ष देश है और यदि यह सुरक्षित नहीं है तो हम संकट में हैं।"

उन्होंने उल्लेख किया कि उन्होंने तीन प्रधानमंत्रियों- जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के अधीन काम किया है, जिनमें से इंदिरा गांधी के अधीन कार्य करना उन्हें सबसे अच्छा लगा।

यह रहस्यमय "बाबा" कौन है, जिसने नैशनल...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

निश्चित मौलिक रूप तथा निश्चित पता-ठिकाना नहीं है। वैसे वह ज्यादातर हिमालत पर्वत श्रेणियों में रहता है।

प्रो. वल्लम ने रामकृष्णा और उस रहस्यमय बाबा के बीच के ईमेल अदान-प्रदान के बड़े घृणित उद्धरण भी जारी किया। रामकृष्णा का कहना है कि बाबा पिछले दो दशकों से उसका मार्गदर्शन कर रहा था। वल्लम ने पूछा कि प्रधानमंत्री तथा वित्त मंत्री भारत के इस सर्वकालिक वित्तीय घोटाले पर "चुप" क्यों हैं तथा बाबा द्वारा भेजे गये ईमेलों के आई पी ऐड्रस का अभी तक पता क्यों नहीं किया गया।

उन्होंने सेबी पर भी सवाल खड़े किये कि जब घोटालों के तथ्यों की जानकारी मिली तथा 2016 में चित्रा रामकृष्णा को हटाया गया, तब से अब तक, यानी 6 साल तक सेबी चुप क्यों रहा? उन्होंने यह भी पूछा कि सेबी तलाश एवं जब्ती के लिए विशेषज्ञों की सेवा क्यों नहीं ले रही तथा पिछले 6 सालों में यह मामला जांच-पड़ताल के लिए सी.बी.आई., एस एफ आई ओ, ई डी या आई टी को क्यों नहीं सौंपा गया। उन्होंने पूछा कि सेबी को ऐसा करने से आखिर कौन रोक रहा है?

एक अज्ञात व्यक्ति, जिसे रामकृष्णा बाबा या योगी कहती हैं, के ईमेल अंश, जो इस कांग्रेस नेता ने जारी किये, बहुत उत्सुकता तथा उत्तेजना पैदा करने वाले हैं तथा यह संदेह भी किया जा रहा है कि बाबा और उसकी यह महिला शिष्या सैशल्स भागने की कोशिश में थे। उनमें से कुछ इस प्रकार हैं -

17 फरवरी, 2005 : बैग तैयार रखो। मेरी अगले माह सैशल्स जाने की योजना है। इससे पहले कंचन, कंचना तथा भार्गव के साथ लंदन जाये, तुम कोशिश करो कि मेरे पास आ सको तथा दो बच्चों के साथ न्यूजीलैंड चली जाओ। आगे की यात्रा के लिए एच के या सिंगापुर होकर जाना ठीक रहेगा।

18 फरवरी 2015 : आज तुम बहुत अच्छी लग रही हो तुम्हें अलग रह से चोटी बनाना सीखना चाहिए जिससे तुम ज्यादा आकर्षक और अच्छी लगोगी -- मार्च के मध्य में खुद को फ्री रखना

25 फरवरी 2015 : मैंने कंचन से सुना जब तुमने कहा सामान बाधो और जाओ। तैयार रहे अब से उलटी गिनती शुरू हो गई है। मैं सैशल्स जाऊगी जहां आप लुत्फ उठा सकते हैं।

16 सितंबर, 2015 : मैने तुम्हे जो मकर कुण्डला गीत भेजा था क्या तुमने उसे सुना - - - तुम्हारे चेहरे पर खुशी देख कर मैं खुश हूं। ये छोटी-छोटी चीजें जो तुम अपने लिए करती हो तुम्हें युवा व ऊर्जावान महसूस करवाती है।

2 मार्च 2015 : तुम्हारी फॅारेन शेयर होल्डर्स रिप्रेजेंटेशन कमेटी से मेरी अच्छी दोस्ती है और डिविडेंड भुगतान के अंतर्राष्ट्रीय चलन, जो पूरे विश्व में स्वीकृत है, पर तुमसे व्यक्तिश: बात करना चाहूंगा --- मैं भारत आ रहा हूं तथा 7 और 8 मार्च से दिल्ली में रहूंगा और इन दोनों दिनों में से किसी भी दिन तुमसे मिल कर मुझे खुशी होगी, तुम देख लेना तुम्हारी सुविधा से। चूंकि 7 को बहुत व्यस्तता है, फिर 8 तारीख को दोपहर तक काम है उसके बाद बसंत विहार में मेरे इंडिया ऑफिस में हम मिल सकते हैं।

नवाज़ पटेल जो कि रामकृष्णा की सैक्रेटरी है, ने अज्ञात व्यक्ति को जवाब दिया कि रामकृष्णा रविवार, 8 मार्च 2015 को आप से मिलना चाहेंगीं। बताए गए समय व स्थान पर हम पहुंच जाएंगे। का ग्रुप ऑपरेटिंग ऑफिसर और अपना सलाहकार नियुक्त किया था, पर उसके काम-काज की कोई जानकारी नहीं है हालांकि उसे लगातार टॉप परफॉर्मर बताया गया और बाबा के कहे अनुसार उसके वेतन और भत्तों में भी वृद्धि की गई।

रामकृष्णा और सुब्रमण्यम पर सेबी ने रोक लगाई थी कि वे सेबी द्वारा रजिस्टर्ड किसी भी मार्केट इन्फ्रास्टक्चर संस्था या अर्न्तमध्यमस्थ से तीन साल तक कोई सरोकार नहीं रखेगे। सेबी ने एन.एस.ई. को आदेश दिया कि रामकृष्णा 'एक्सैस लीव" भुगतान (1.54 करोड़ रु.) को जब्त कर लिया जाए और 2.83 करोड़ रु. बोनस रद्द कर दिया जाए जिसे एक्सचेंज ने कायम रखा और राशि 6 दिन के भीतर ही इन्वेस्टर प्रोटैक्शन ट्रस्ट फंड में जमा करवा दी गई। इसके अलावा सेबी ने एन.एस.ई. को 6 माह की अवधि तक कोई भी उत्पाद जारी करने से रोक दिया है।

लालू यादव को चारा घोटाले के एक मामले में सीधे जेल भेजा गया

पटना, 15 फरवरी। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान को पटना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वे राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की नेतृत्व वाली सरकार को बर्खास्त करने की मांग को लेकर जुलूस निकाल रहे थे। बिहार के लिए मंगलवार का दिन राजनीतिक रूप से बेहद अहम है। एक तरफ लोगों की नजरें लालू यादव को चारा घोटाले में लालू यादव को दोषी करार दिया है।

लोजपा के नेता-कार्यकर्ता जुलूस की शक्ल में गांधी मैदान से राजभवन पहुंचने की तैयारी में थे। चिराग राज्यपाल से नीतीश सरकार को बर्खास्त करने की अनुशंसा केंद्र से करने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि वे पुलिस की लाठी खाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, लेकिन अपने इरादे से पीछे नहीं हटेंगे।

चारा घोटाले के मामले में 139.35 करोड़ रुपए की अवैध निकासी के मामले में दोषी करार दिए गए बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव को होटवार जेल भेज दिया गया है। उन्हें 21 फरवरी को सजा सुनाई जाएगी।

सी.बी.आई. की विशेष अदालत द्वारा दोषी करार दिए जाने के तुरंत बाद लालू यादव को हिरासत में ले लिया गया था।

'एक समय आता है,...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नहीं लाते? संक्षेप में इसका कारण है- क्योंकि कांग्रेस लोगों को जो पेश कर रही है, वह उन्हें स्वीकार्य नहीं है। और यह एक ऐसा प्रश्न है जिस पर पार्टी में चर्चा ही नहीं होती।"

मनमोहन सिंह सरकार में विधि मंत्री रहे अश्विनी कुमार ने सोनिया गांधी को भेजे अपने त्याग पत्र में कहा है कि यह निर्णय "मेरी गरिमा के अनुरूप है। उन्होंने "रूपान्तरकारी नेतृत्व" के विचार से प्रेरित सार्वजनिक हित के कार्यों को आगे बढ़ाने का भी जिक्र किया।

उन्होंने इस बात से इंकार किया कि वे उनसे पहले पार्टी छोड़ने वाले नेताओं की तरह, भाजपा में जा रहे हैं।

अश्विनी कुमार ने कहा, "मैंने इस बिन्दु पर सोचा ही नहीं है। मैं भाजपा में किसी से नहीं मिला हूँ। मैं साफ कहना चाहूँगा कि अभी तक इस मामले में मैंने कोई निर्णय नहीं लिया है। यह भी हो सकता है कि मैं किसी पार्टी में जाऊँ ही नहीं।" उन्होंने कहा कि उन्हें निर्णय लेने की जल्दी भी नहीं है।

डॉ. अश्विनी कुमार पिछले कुछ वर्षों में कांग्रेस छोड़ने वाले वरिष्ठतम नेताओं में से एक हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी के और भी कई पुराने नेता ऐसा ही महसूस कर रहे हैं।

हालाँकि कुमार के पार्टी छोड़ने से वोटों के रूप में कांग्रेस पर कोई खास फर्क पड़ने वाला नहीं है क्योंकि जमीनी स्तर पर उनका बड़ा ही सीमित प्रभाव है, फिर भी इस घटना का समय कुछ इस प्रकार तय किया गया है कि यह मीडिया के प्रमुख खबर तथा चर्चा का विषय तो बन ही जायेगी।

सूत्रों ने कहा कि केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के सहयोग से भाजपा के मीडिया मैनेजरों ने इस घटना को लपक लिया है ताकि कुमार के कांग्रेस छोड़ने की घटना से कांग्रेस के खिलाफ मनोवैज्ञानिक वातावरण बन सके।

राजसमंद पुलिस ने एक होटल में रेड डालकर यहां रेव पार्टी कर रहे 18 युवक-युवतियों को गिरफ्तार किया है।

रेव पार्टी कर रहे 14 युवक व चार लड़कियाँ गिरफ्तार

राजसमंद के द्वारकेश रिसॉर्ट एण्ड वॉटर स्पा में चार महीने में दूसरी बार रेव पार्टी पकड़ी गई है

- पार्टी में शामिल युवकों में से 10 गुजरात के व शेष अन्य डूंगरपुर और आसपास के हैं।
- यह होटल स्थानीय भाजपा नेता वेणीराम कुमावत का है जो उन्होंने ठेके पर दे रखा है।

राजसमंद, 15 फरवरी (निसं)। राजनगर थाना पुलिस ने मंगलवार अल सुबह एक बड़ी कार्रवाई करते हुए एक स्थानी भाजपा नेता वेणीराम कुमावत की होटल में रेड की रेव पार्टी पकड़ी। हालांकि पता लगा है कि होटल मालिक ने रिसॉर्ट को ठेके पर दे रखा है।

पुलिस ने कार्यवाही में नैशनल हाईवे आठ बडारडा स्थित द्वारकेश रिसॉर्ट एंड वॉटर पार्क से 14 युवकों और चार युवतियों को गिरफ्तार किया है, जो रेव पार्टी कर रहे थे। पुलिस ने मौके से 3 कारें भी जब्त की है। गौरतलब है कि राजनगर पुलिस ने 4 महीने में इसी होटल पर यह दूसरी रेव पार्टी पकड़ी है।

राजनगर थाना अधिकारी डॉ. हनवंत सिंह राजपुरोहित ने बताया कि बीती रात बडारडा स्थित द्वारकेश रिसॉर्ट एंड वॉटर पार्क पर रेव पार्टी होने की सूचना मिली तो पुलिस के होटल पर रेड की और वहां से डेढ दर्जन युवक और युवतियों को गिरफ्तार किया। पुलिस जब रिसॉर्ट पहुंची तो रेव पार्टी में अश्लीलता की हदें पार हो रही थीं। पकडी गई लडकियां दिल्ली की बताई जा रही है, जबकि पार्टी में शामिल युवकों में से 10 गुजरात के हैं, शेष अन्य डूंगरपुर और अन्य क्षेत्रों के बताए गए हैं, सभी लोग नशे में थे। पुलिस ने सुबह सभी 18 युवक-यवतियों का मेडिकल परीक्षण भी करवाया। अब पुलिस इस मामले की जांच कर रही है।

गिरफ्तार होने वालों में शामिल हैं; अंकुर बहल पुत्र ओमकार खत्री पेशा साउण्ड ऑपरेटर निवासी गोपाल पार्क कृष्णा नगर नई दिल्ली; विनोद कुमार पुत्र सुभाष कुमार वाल्मिकी पेशा मैकेनिक ड्राईवर, निवासी डी 17-346 सेक्टर-3 रोहिवी, रोहिणी नई दिल्ली; कुलदीपसिंह राजपूत पुत्र राजेन्द्रसिंह पेशा होटल मैनेजर निवासी तालोरा-आसपुर, डूंगरपुर; कवित पटेल पुत्र पंकज भाई पटेल पेशा खेती निवासी अम्बाजी चौक कन्दारी कर्जन, बडोदरा; हिमांशु पटेल पुत्र शांतिलाल पटेल पेशा खेती निवासी हनुमान पुलिया, सनखेडा जिला छोटा उदयपुर गुजरात; ईशांत शाह पुत्र नरेश भाई पेशा व्यापार निवासी शीतल नगर-सोसायटी अंकित नगर बडोदरा; अंकित कुमार पुत्र सुरेशभाई पटेल पेशा खेती; दकरोश भाई पटेल पुत्र सुरेश भाई पटेल; पेशा व्यापारी, निवासी वागोदिया रिंग रोड, बडोदरा; दित्येश पुत्र नटवरलाल पटेल; बालकृष्ण पारिख पुत्र भीखालाल पारिख पेशा व्यापार, निवासी दशोरा रिंग रोड बडोदरा; भाविक शाह पुत्र प्रकाश भाई पेशा व्यापार निवासी बोडली जिला छोटा उदयपुर गुजरात; अंकित पटेल पुत्र प्रवीण भाई पटेल पेशा खेती निवासी स्टेरी ओपेक बंगला मकरपुरा, बडोदरा; विनोद कुमार चौहान पिता विठ्ठल भाई राजपूत पेशा खेती निवासी चारोला पटेल, बोडेली जिला छोटा उदयपुर गुजरात; हरिसिंह राजपूत पुत्र भवानीसिंह पेशा होटल नौकरी निवासी वास-ओगणा जिला उदयपुर, चीनू राठौड पुत्री गणेश ठाकुर निवासी सीढी पार्क जहांगीरपुरी, दिल्ली, हिना कुरैशी पत्नी कामरान खां निवासी ब्रह्मपुरी-उस्मानपुर दिल्ली; अमरजीत कौर पत्नि विजेन्द्रसिंह पंजाबी निवासी जगतपुरी, कडका डुमा नई दिल्ली, सीमा कुरैशी पत्नी सनोबर कुरैशी मुसलमान पेशा डांसर निवासी शास्त्री नगर सरोजनी नायडू पार्क ईस्ट दिल्ली।

यूक्रेन संकट अन्ततोगत्वा धीरे-धीरे खत्म...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वार्ताओं और फ्रांस के राष्ट्रपति का यह एक स्पष्ट अपमान था।

दूसरी ओर ओलाफ शौल्ज़ जर्मनी के नए चांसलर हैं जिन्होंने उन एंगेला मर्केल का स्थान लिया है जो रूस के संदर्भ में और यूरोपीय कूटनीति में काफी प्रभावी थीं, और जब मर्केल ने जर्मनी और उसकी सीमाओं पर बसे देशों के लिए बेहद जरूरी ईंधन को लेकर रूस से नैचुरल गैस की एक सीधी पाइपलाइन डालने की वकालत की तब उन्होंने रूस और पुतिन को एक तरह से काफी महत्व दिया।

यह जर्मनी के साथ ही यूरोप के भी हित में था। तथापि यह रूस के लिए भी एक लाइफलाइन है।

रूस की आर्थिक क्षमता के लिए प्राकृतिक गैस और तेल की बिक्री एक प्रमुख शर्त है और देश की क्षीण हुई अर्थव्यवस्था के लिए यह जरूरी आधार प्रदान करती है।

याद रखना होगा कि रूस ने ऊर्जा बिक्री और निर्यातों के कारण ही 6 सौ बिलियन डॉलर का विदेशी मुद्रा युद्ध भण्डार जमा कर रखा था।

सोवियत वामपंथी सिस्टम के खत्म होने और रूस की अर्थव्यवस्था शुरू होने के बाद से ही वहां का निर्माण उद्योग ध्वस्त हो चुका है। वर्तमान परिस्थितियों में उसका एकमात्र दक्षक ईंधन और ऊर्जा उपकरणों का निर्यात है।

गैस और तेल के निर्यात से रूस की एक तिमारी की आय करीब 250 अरब डॉलर है। केवल जर्मनी के ही दृढ़ सहयोग से निर्मित की जा रही नई पाइपलाइन रूस को आय का एक स्थिर जरिया प्रदान करती है।

यूक्रेन को लेकर रखा जाने वाला कोई बैरभाव नॉर्डस्ट्रीम 2 पाइपलाइन के लिए बरती जा रही उदारता को समाप्त कर सकता था और एक तरह से उस सुनिश्चित आय को भी समाप्त कर देता, जिसे लेकर रूस काफी उत्कट है।

अमेरिका के राष्ट्रपति बाइडन ने राष्ट्रपति पुतिन के साथ हुई टेलीफोन वार्ता में इस आशंका का प्रत्यक्ष संकेत दिया था रूस के यूक्रेन पर होने वाले किसी आक्रमण की सूरत में जर्मनी ई.यू. के आगे उस पाइप लाइन प्रोजैक्ट को आगे बढ़ाने में बेबस होता।

बहरहाल, जर्मनी के नए चांसलर शौल्ज़ और उनकी कूटनीतिक पहल के कारण थमा यह संकट जर्मनी और उसके नए चांसलन को एक विशेष दर्जा प्रदान करता है। चांसलर शौल्ज़ को यूरोप के मामलों में सीधे ही एक प्रमुख पद मिल गया है और साथ ही रूस के अहम हित भी संरक्षित हैं।

यूक्रेन को लेकर राष्ट्रपति पुतिन के आक्रामक रूख ने वास्तव में उन्हें एक ऐसी स्थिति में डाल दिया था, जहां उनके पास अपनी लाज बचाकर भागने का कोई रास्ता नहीं बचा था। जर्मन चांसलर के रूस दौरे ने उन्हें वह जरूरी एस्केप रूट उपलब्ध करना दिया। लेकिन, फिर भी रूस के राष्ट्रपति ने महाशय मैक्रॉन का वह शांति प्रस्ताव क्यों नहीं स्वीकार किया, जो एक फ्रैंच तड़का लगाकर प्रस्तुत किया गया था? इसके दो पहलू हैं।

पहला तो यह कि, फ्रांस के राष्ट्रपति जब रूस दौरे पर थे तब रूस का रवैया इतना नरम नहीं पड़ा था। आखिरकार रूस यह नहीं चाहता था कि पूर्वी यूरोप और पश्चिमी देशों की शक्तियां रूस के ऐसे डर के साए में रहें कि जिससे रूस के प्रभाव वाले क्षेत्रों में नाटो का भविष्य में होने वाला कोई विस्तार रूक जाए।

रूस ने यह औपचारिक रूप्से मांग की थी कि नाटो को यह गारंटी देनी होगी कि वह पूर्वी यूरोप आगे कोई विस्तार नहीं करेगा और पूर्वी यूरोप के नाटो सदस्य देशों में मौजूद सेना को वापस बुला लिया जाए। रूस इसे लेकर पूर्ण अवगत था कि उसकी ये मांगे स्वीकार नहीं की जाएंगी।

तथापि, रूस की धमकी ने यह सुनिश्चित कर दिया कि निकट भविष्य में तो कम से कम नाटो का विस्तार नहीं होगा। कुल मिलाकर पश्चिमी यूरोप को यह बात एक बार फिर ज्ञात हो गई कि रूस ही वह शक्ति है जो आणविक शस्त्रों के मामले में अमेरिका की बराबरी कर सकती है।

अत: सोवियत संघ के विघटन के बाद रूस ने अपने एक कथित अपमान का पूर्ण रूप से बदला ले लिया है। उसकी शिकायत थी कि उसे अपमानित किया जा रहा है और महत्वपूर्ण अन्तर्राष्ट्रीय मंचों से दरकिनार किया जा रहा है। अमेरिका और यूरोप ने स्वीकार कर लिया है कि यदि रूस को एक बार छेड़ दिया जाए तो वह एक बड़ी चुनौती बन सकता है।

सोवियत संघ के पतन के तुरन्त बाद हर्षोल्लास जताने वाले पश्चिमी देशों को भी तगड़ा झटका लगा है और रूस का कूटनीतिक हमला भी इसी को लेकर था। और अंत में यदि इससे किसी को भारी निराशा हुई होगी तो वह है चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग।

राष्ट्रपति शी जिन्पिंग ने बीजिंग के विन्टर ओलम्पिक्स के उद्घाटन के दौरान राष्ट्रपति पुतिन को विशेष तवज्जो दी थी। राष्ट्रपति शी ताइवान पर अपनी कार्रवाईयों को लेकर परोक्ष रूप से यूक्रेन संकट पर नज़र रखे हुए थे।

यदि राष्ट्रपति पुतिन बेपरवाह होकर यूक्रेन पर आक्रमण कर देते तो राष्ट्रपति शी के लिए यह ताइवान पर आक्रमण करने का बहाना बन जाता।

यूक्रेन संकट ने जिस तरह से पलटी खाई हैं, उससे चीन के विकल्प और कम व प्रतिबंधित हो गए हैं।

भारत के लिए भी यह अच्छी बात है। यूक्रेन संकट से पुतिन का हाथ खींचना शक्ति प्रदर्शन के बजाए एक सर्वानुमति प्राप्त अन्तर्राष्ट्रीय व्यवस्था का आधार तैयार करता है। भारत-चीन संबंधों के लिए यह अच्छा है।

राजधानी दिल्ली ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

से संबंधित है। उन्होंने एक बड़ी बैंच द्वारा 14 फरवरी, 2019 को की गई सुनवाई का भी उल्लेख किया, जब न्यायमूर्ति ए.के. सीकरी तथा अशोक भूषण (दोनों ही सेवानिवृत्त) ने "सेनाओं" के प्रश्न पर अलग-अलग राय दी थी। इस केस में भाजपा-शासित केन्द्र सरकार तथा आम आदमी पार्टी की दिल्ली सरकार के बीच का यह कानूनी विवाद भी शामिल है कि सिविल सर्विस किसके नियंत्रण में रहें।

विवादित बिन्दुओं में, आई.ए.एस. अधिकारियों के तबादले तथा पदस्थापन भी शामिल हैं।

आप सरकार लम्बे समय से केन्द्र पर यह आरोप लगाती आ रही है कि वे दिल्ली पर नियंत्रण करने के लिये लैफ्टिनेंट गवर्नर को काम में ले रही है तथा निर्वाचित सरकार के निर्णयों में बाधा डाल रही है।

सर्वोच्च न्यायालय की एक संविधान पीठ ने निर्णय दिया था कि पुलिस, भूमि तथा सार्वजनिक व्यवस्था केन्द्र के अधिकार क्षेत्र में हैं तथा शेष सारे काम दिल्ली सरकार के अधिकार में हैं। अब सेवानिवृत्त हो चुके न्यायमूर्ति ए.के. सीकरी की अध्यक्षता वाली बैंच ने सर्विस मैटर पर विभाजित फैसला दिया था तथा इसलिये इसके बाद यह प्रकरण तीन जजों की बैंच के पास भेज दिया गया था। अब सेवानिवृत्त हो चुके जस्टिस अशोक भूषण ने कहा था कि सेवाओं पर दिल्ली सरकार का कोई अधिकार नहीं है। जस्टिस सीकरी ने बीच का रास्ता अपनाया था।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908